प्रश्न. सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सुधार के लिए छत्तीसगढ़ मॉडल एवं राजस्थान मॉडल को अन्य राज्यों के लिए बेंचमार्क माना जाता हैं। आप इस कथन से कहाँ तक सहमत है। तर्क सहित उत्तर प्रस्तुत करे।

मॉडल उत्तर

दृष्टिकोण:

- भूमिका में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत केंद्र एवं राज्यों के भूमिका के बारे में बतायें।
- अगले पैरा में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत छत्तीसगढ़ मॉडल की चर्चा करें।
- दुसरे पैरा में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राजस्थान मॉडल की चर्चा करें।
- अंत में संतुलित निष्कर्ष दें।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली को केंद्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा समवर्ती सूची के अंतर्गत सामूहिक रूप से संचालित किया जाता है। इस संदर्भ में केंद्र सरकार की भूमिका आवश्यक वस्तुओं की खरीद, उनका भंडारण तथा वितरण की होती है। राज्य सरकारों की भूमिका आवश्यक वस्तुओं को उठाने (Offtake), राशन की दुकानों तक पहुँचाने तथा उपभोक्ताओं तक वितरण की होती है।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली पर छत्तीसगढ़ मॉडल :-

- PDS से जुड़े परिवारों को स्मार्ट कार्ड जारी किये गए हैं, जिनके माध्यम से वे संबंधित शहर में किसी भी उचित मूल्य की दुकान से वस्तुएँ खरीद सकते हैं।
- PDS का माल ढोने वाले ट्रकों की निगरानी के लिए उन्हें GPS से जोड़ा गया तथा उनके ऊपर पीले रंग की पुताई की गई।
- उचित मूल्य की दुकानों के संचालकों का कमीशन बढ़ाया गया।
- यहाँ मोबाइल संदेश (SMS) के माध्यम से लाभार्थियों को सूचनाएँ प्रदान की जाती है।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली पर राजस्थान मॉडल :-

- राजस्थान में PDS प्रणाली में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) को लागू किया गया।
- इस मॉडल में राजस्थान सरकार द्वारा 'फ्यूचर ग्रुप' के साथ अनुबंध किा गया तथा यह ग्रुप राजस्थान में 'अन्नपूर्णा भंडार' नाम से उचित मूल्य की दुकानें संचालित कर रहा है। इन भंडारों में फ्यूचर ग्रुप PDS सामानों के साथ-साथ अपने उत्पाद भी बेच सकता है।

इस प्रकार जहाँ छत्तीसगढ़ ने PDS में सुधार को तकनीक के माध्यम से सुनिश्चित किया वहीं, राजस्थान ने इसे सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से अंजाम दिया। इसलिए इन राज्यों का उदाहरण अन्य राज्यों के लिए बेंचमार्क माना जाता है।